



༄༅· །

༄༅· །

༄༅· །



༄༅· ། ། ། ། ། ། ། ། ། ། ། ། ། ། ། ། ། ། །

לְאַתָּה אָמַרְתָּ לִבְנֵי יִשְׂרָאֵל  
לֹא תְּפַלֵּג כִּי־יְהוָה אֱלֹהֶיךُם  
אָתָּה אֲלֹהֵינוּ וְאֶת־יְהוָה  
אָמַרְתָּ לְאַתָּה אָמַרְתָּ

לְאַתָּה אָמַרְתָּ לִבְנֵי יִשְׂרָאֵל

1985 אָמַרְתָּ לִבְנֵי יִשְׂרָאֵל 9

为建设团结富裕文明的新西藏而奋斗  
二十大庆文献集  
责任编辑：乌金

西藏自治区人民政府编  
西藏人民出版社出版  
西藏新华书店发行  
西藏新华印刷印刷厂

开本：850×1168 1/32 印张：6 插页：6

1986年7月拉萨第1版第1次印刷

印数 1—5,300

统一书号：M3170·262 定价：1.00 元

ଓ শুন নি মাতৃ পুরুষ বিদ্যা কলা ও বেগ এবং জ্ঞান  
মনোবিজ্ঞান পদ্ধতি পরিষেবা প্রকল্প প্রস্তুত করে

শ্রেণী প্রতিশ্রুতি প্রযোজন করে আবেগ প্রকল্প প্রস্তুত করে

কর্মসূচি প্রকল্প প্রস্তুত করে আবেগ প্রকল্প প্রস্তুত করে



শ্রেণী প্রতিশ্রুতি প্রযোজন করে আবেগ প্রকল্প প্রস্তুত করে

৮৫০ × ১১৬৮ ।/৩২ নির্মাণ পদ্ধতি ।—৫, ৩০০ প্রদর্শন প্রকল্প প্রস্তুত করে

১৯৮৬ খ্রিস্ট । ৭ অক্টোবর প্রদর্শন পদ্ধতি । প্রকল্প

প্রকল্প প্রযোজন করে আবেগ প্রকল্প প্রস্তুত করে

শ্রেণী প্রতিশ্রুতি প্রযোজন করে আবেগ প্রকল্প প্রস্তুত করে

## ଭାବିତା

- ଶ୍ରୀ ମହାତ୍ମା ଗାନ୍ଧୀଙ୍କ ଜୀବନରେ ପରିଚୟ ଓ ଅଭିଭାବକ ପଦ୍ଧତିରେ ଏହାର ପରିଚୟ କରିବାକୁ ଆବଶ୍ୟକ ହେଉଥିଲା ।
- ( 1985 ଅଧିକାରୀ ଶତାବ୍ଦୀ ପରିଚୟ 9 କେତେ 1 ଟିକା ) .....( 1 )
- ଶ୍ରୀ ମହାତ୍ମା ଗାନ୍ଧୀଙ୍କ ଜୀବନରେ ପରିଚୟ ଓ ଅଭିଭାବକ ପଦ୍ଧତିରେ ଏହାର ପରିଚୟ କରିବାକୁ ଆବଶ୍ୟକ ହେଉଥିଲା ।
- ( 1985 ଅଧିକାରୀ ଶତାବ୍ଦୀ ପରିଚୟ 10 କେତେ 1 ଟିକା ) .....( 7 )
- ଶ୍ରୀ ମହାତ୍ମା ଗାନ୍ଧୀଙ୍କ ଜୀବନରେ ପରିଚୟ ଓ ଅଭିଭାବକ ପଦ୍ଧତିରେ ଏହାର ପରିଚୟ କରିବାକୁ ଆବଶ୍ୟକ ହେଉଥିଲା ।
- ( 1985 ଅଧିକାରୀ ଶତାବ୍ଦୀ ପରିଚୟ 8 କେତେ 31 ଟିକା ) .....( 23 )
- ଶ୍ରୀ ମହାତ୍ମା ଗାନ୍ଧୀଙ୍କ ଜୀବନରେ ପରିଚୟ ଓ ଅଭିଭାବକ ପଦ୍ଧତିରେ ଏହାର ପରିଚୟ କରିବାକୁ ଆବଶ୍ୟକ ହେଉଥିଲା ।
- ( 1985 ଅଧିକାରୀ ଶତାବ୍ଦୀ ପରିଚୟ 8 କେତେ 31 ଟିକା ) .....( 52 )
- ଶ୍ରୀ ମହାତ୍ମା ଗାନ୍ଧୀଙ୍କ ଜୀବନରେ ପରିଚୟ ଓ ଅଭିଭାବକ ପଦ୍ଧତିରେ ଏହାର ପରିଚୟ କରିବାକୁ ଆବଶ୍ୟକ ହେଉଥିଲା ।
- ଶ୍ରୀ ମହାତ୍ମା ଗାନ୍ଧୀଙ୍କ ଜୀବନରେ ପରିଚୟ ଓ ଅଭିଭାବକ ପଦ୍ଧତିରେ ଏହାର ପରିଚୟ କରିବାକୁ ଆବଶ୍ୟକ ହେଉଥିଲା ।

၁၃၈၂ ခုနှစ်၊ မြန်မာနိုင်ငြာနတော်လ၏ အမြတ်ဆင့် ပေါ်လေသူများ၏ အကြောင်းအရာ

କେବୁଣ୍ଠିମାନଙ୍କର ପଦ୍ଧତିରେ କେବୁଣ୍ଠିମାନଙ୍କର ପଦ୍ଧତିରେ । (1985 ଫେବ୍ରୁଆରୀ ୩ ତାରିଖ)

31 ट्रिक्स) .....( 65 )

କୁଳ-ଷ୍ଟରାଶ-ମି-ଦୁମଦଶ-ରମ୍ପାଶ-ମି-ହେଲାଶ-କେବ-କୁଳ-ଯଶ-ଜ୍ଞ-ଷେବ-ଲୁହ-ମନ-ମୀ-ଜ୍ଞ.

ଯେତୁ ମୁଦ୍ରା ଯାହିଁଦି ପାଇନ୍ତି କେବୁ ଜୀବନ ଦି କିମ୍ବା କଣ୍ଠ ଶ୍ରୀ କୃଷ୍ଣ ଅକବ୍ରା ମୁଖ ଦି

ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ପାଇଁ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

(112) ३५)

ବ୍ୟାପକ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ପରିମାଣରେ ଏହା କାହାର କାହାର କାହାର କାହାର

፳፻፸፰ .፭፻፷፯ ( 1985 ዓ.ም )

1 3 9 ) ..... ( 117 )

ଶ୍ରୀ-କବି-ପାତ୍ର-ଶ୍ରୀ-କବି-ଶ୍ରୀ-ଜ୍ଞାନ-ପଦ୍ମ-ପାତ୍ର-ଶ୍ରୀ-କବି-ଶ୍ରୀ-ଶ୍ରୀ-କବି-ଶ୍ରୀ-ଶ୍ରୀ-କବି-

ନେତ୍ରକୁ ଶବ୍ଦାବଳୀ ପାଇଁ ଏହାର ଅଧିକାରୀ ହେଲାମୁଁ

୩୫୮-୩୬୯-୩୭୦-୩୭୧ .....(125)

ଓ'গ-ৰତ୍ନ-ଶ-ମି-ଦ-ବା-ଦ-ଶ-ଗୁ-ৰ-କୁ-ଶ-ଶ-କୁ-ଶ-ଶ-କୁ-ଶ-ଶ-କୁ-

藏文大藏经

କେଣା କେବୁ ଶିଖ ଯତନ ପଦି ସମ୍ମଦ୍ରମ୍ଭି । ..... (130)

ଅର୍ଥାତ୍ ୫୫୦ ଟଙ୍କା । ଏହି ପରିମା ପରିମା ପରିମା ପରିମା

କେବୁ ଅଶ୍ଵାମୁକୁ କୁନ୍ତିତ ଦୂରାଜା।

— ፳፻፲፭ ዓ.ም. ከዚህ ስም በፊት የሚከተሉ የዚህ ስም በፊት የሚከተሉ

ମୁଦ୍ରଣ ତାରିଖ: (1985 ଅକ୍ଟୋବର 9 କେନ୍ଦ୍ର 1 ଫିଲ୍)

.....《ཆී-දුරු-සා-ඩි-ත්-සේ-නි-හ-ය-ා-ය-ම-》 ශ්‍රී-කේ-ද-ප-ත-ද-। (142)

— ፳፻፲፭ ዓ.ም. ከዚህ ቀን ማረጋገጫ የሚያስፈልግ የሚከተሉት ደንብ የሚያስፈልግ የሚከተሉት ደንብ

ରାଜ୍ୟପାତ୍ର-ମନ୍ଦିର-କୁଳ-ରାଜ୍ୟପାତ୍ର! (1985 ମେଁଟି 9 ତାରୀଖ 1 ବିହାର)

.....《ଶ୍ରୀକୃତ୍ସନ୍ଧାନ୍ତିକାରୀଙ୍କମାତ୍ରମର୍ଦ୍ଦିତିରେ ପରିଚାରିତା ହେଉଥିଲା । (150)

ଦ୍ୱାରା କ୍ଷେତ୍ର ପାଇଁ ଆଶ୍ରମ କରିବାକୁ ଅନୁରୋଧ କରିଛନ୍ତି।

ଶ୍ରୀ କୃତ୍ୟାମିନ୍ (1985 ଫୁଲ୍‌ମୁଦ୍ରଣ, ୨ କେଷ, ୧ ଟିକ୍) .....(162)

正月一月正月正月正月正月正月正月正月正月正月正月正月正月

月月嶺月月嶺月月嶺月月嶺月月嶺月月嶺月月嶺月月嶺

ସମ୍ବନ୍ଧରେ କାହାର ପରିଚୟ ଦେଖିବାକୁ ଆଶିଷ ପାଇଲା ଏହାର ପରିଚୟ ଦେଖିବାକୁ ଆଶିଷ ପାଇଲା । .....(166)

ରେ. କ୍ଷେତ୍ର ବିନ୍ଦୁ କେବ ଅଣ୍ଟାର୍କାଟିକ ପରିମାଣ କରିବାକୁ ପରିଚାରିତ କରିଛନ୍ତି।

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ୍ ଶିଖାର୍ଥଦେଶୀ ପାଠକାଲ୍ୟାଷ୍ଟା ପାଇଁ ମୁଣ୍ଡାରକ୍ଷିତା ..... (170)

ଶ୍ରୀମତୀ ପାତ୍ନୀ କୁମାରୀ ଦେବି ଏବଂ ତାଙ୍କ ପାତ୍ନୀ କୁମାରୀ ଦେବି

四百九十一  
.....(172)

मैत्राद्वयद्वयेष्वलुक्यं एवैः क्षमा नक्षिदा ॥ १७३ ॥

ପରିବାରକୁ ଆଶୀର୍ବାଦ ଦିଲ୍ଲିମାନ କାହାର କାହାର କାହାର

ଶିଖ-ମନ୍ଦି-ବୈଜ୍ଞାନିକ-ବ୍ୟକ୍ତିଗତିରେ ପରିଚ୍ୟାତିବିଧି । .....(174)

ପ୍ରାଚୀନ କବିତା ମଧ୍ୟ ଏହାର ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ପରିପୂର୍ଣ୍ଣ ରୂପରେ ଦେଖିଲୁଛି।

ମେଳା'ପଦି'ବେଶ'କ୍ରୁଷ'ପରି'ହୃଦୟ'ରସୀଦା .....(176)

### ନୈତିକ'ଶାନ୍ତି'ଏଣ'କିମ୍ବା

ଅନ୍ଧ'ରାଜ'କ୍ଷେତ୍ର'ଛାନ୍ତି'ପାଞ୍ଜି'କୁଣ୍ଡଳ'ପାଞ୍ଜି'ପାଞ୍ଜି'ପାଞ୍ଜି'.....(1965 ଥାରି 1985 ଥରି

ପଦ'ପାଞ୍ଜି'ରାଜ'କ୍ଷେତ୍ର'କୁଣ୍ଡଳ'ପାଞ୍ଜି'ପାଞ୍ଜି'.....(178)

הַבְּנִים כָּלֵבֶת רַבְּנִים תְּפִלְתִּים תְּפִלְתִּים  
תְּפִלְתִּים תְּפִלְתִּים תְּפִלְתִּים תְּפִלְתִּים  
תְּפִלְתִּים תְּפִלְתִּים תְּפִלְתִּים תְּפִלְתִּים  
תְּפִלְתִּים תְּפִלְתִּים תְּפִלְתִּים תְּפִלְתִּים

ବ୍ୟାକ୍ ପାଇଁ ଏହି ଅନ୍ତର୍ମାଣରେ କିମ୍ବା ଏହି ଅନ୍ତର୍ମାଣରେ

(1985 ମେତ୍ରୀ ଜୟେଷ୍ଠ 9 ହେଲ୍ 1 ପାତ୍ର)

ମେହିନ୍ତି ଶକ୍ତିରେ ପାଦମୁଖ ଅବସ୍ଥା ହେଉଥିଲା । ୧ ଟିକିରେ ଏକ ଶକ୍ତିରେ ପାଦମୁଖ ଅବସ୍ଥା ହେଉଥିଲା ।

ମୁଣ୍ଡା ପରେ କଥା ହେଉଥିଲା ଏବଂ ତାଙ୍କୁ କଥା ହେଉଥିଲା ଏବଂ ତାଙ୍କୁ କଥା ହେଉଥିଲା

ନିରାଜ୍ୟପାଦିତାରୁତ୍ୟେ କନ୍ଧାଶୀରୀଠିର୍ମଳ ହେଉଥିଲା କିମ୍ବା ତଥା କଣ୍ଠରୁତ୍ୟେ କନ୍ଧାଶୀରୀଠିର୍ମଳ ହେଲା ଏବଂ ଏହା ଉଲ୍ଲଙ୍ଘନ କରିବାର ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେଲା । ଏହା ସବୁ ଅରକୁ କିମ୍ବା ତଥା କଣ୍ଠରୁତ୍ୟେ କନ୍ଧାଶୀରୀଠିର୍ମଳ ହେଲା ଏବଂ ଏହା ଉଲ୍ଲଙ୍ଘନ କରିବାର ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେଲା । ଏହା କିମ୍ବା ତଥା କଣ୍ଠରୁତ୍ୟେ କନ୍ଧାଶୀରୀଠିର୍ମଳ ହେଲା ।

**1951 ଖର୍ବ-ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପାଦିତାରୁତ୍ୟେ ବାହିନୀର କନ୍ଧାଶୀରୀଠିର୍ମଳ କିମ୍ବା ତଥା କଣ୍ଠରୁତ୍ୟେ**

କିମ୍ବା ତଥା କଣ୍ଠରୁତ୍ୟେ କନ୍ଧାଶୀରୀଠିର୍ମଳ ହେଲା । ଏହା ଉଲ୍ଲଙ୍ଘନ କରିବାର ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେଲା । ଏହା କିମ୍ବା ତଥା କଣ୍ଠରୁତ୍ୟେ କନ୍ଧାଶୀରୀଠିର୍ମଳ ହେଲା । 1965 ଖର୍ବ-ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପାଦିତାରୁତ୍ୟେ କନ୍ଧାଶୀରୀଠିର୍ମଳ କିମ୍ବା ତଥା କଣ୍ଠରୁତ୍ୟେ କନ୍ଧାଶୀରୀଠିର୍ମଳ ହେଲା ।

**ଶ୍ରୀଚନ୍ଦ୍ର-ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପାଦିତାରୁତ୍ୟେ କନ୍ଧାଶୀରୀଠିର୍ମଳ ହେଲା ।** ଏହା କିମ୍ବା ତଥା କଣ୍ଠରୁତ୍ୟେ କନ୍ଧାଶୀରୀଠିର୍ମଳ ହେଲା । ଏହା କିମ୍ବା ତଥା କଣ୍ଠରୁତ୍ୟେ କନ୍ଧାଶୀରୀଠିର୍ମଳ ହେଲା ।

ସୁଧାରେ ଦ୍ୱାନୀଶ୍ଵର ପଥର ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ଧ୍ୱନି ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା  
ଦ୍ୱାନୀ ସମ୍ମାନ କୁଳାଚାରୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ  
ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା  
ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା  
ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା  
ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା  
ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା  
ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା  
ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା  
ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା  
ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା  
ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା ଦ୍ୱାନୀ ପ୍ରିୟା

मिष्ठा. चै. यस. पुरुद. या ॥ यस. दी. माश. यस. चौ. कुल. मठ. ऐ. श्वा ॥ नवम. नपुद.  
चौ. पर्वत. नवप. य. पठस. य. छिं. यस. य. वृश्च. सुश. छ. के. नद. ल. व. ऐन. ॥  
यरि. गुरु. नद. भु. चिद।

श्वद. लृष्ट. अ. व. रेण. चू. के. ऐन. श्वद. लृष्ट. अ. गुरु. अ. चौ. यस. य. वृश्च. य. नद.  
चौ. य. नद। ॥ नद. के. नी. लृष्ट. अ. वृश्च. य. गुरु. चौ. य. गुरु. चौ. य. वृश्च. य. नद.  
चौ. य. नद. य. लृष्ट. चिद। ॥ श्वद. दी. माश. चौ. नवम. अ. चै. यस. य. वृश्च. य. नद।  
गुरु. अ. वृश्च. य. नद। ॥ श्व. चौ. य. लृष्ट. या ॥ नवम. नद. के. य. पठस. यै. या  
नद. नद. चौ. य. गुरु. चौ. य. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. गुरु. चौ. य. नद। ॥ श्वद. लृष्ट.  
अ. वृश्च. चौ. य. गुरु. चौ. य. गुरु. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. गुरु. चौ. य. वृश्च. य. नद।  
पल्ला. चौ. य. ॥ श्वद. दी. माश. नद. कुल. अ. गुरु. अ. चौ. य. गुरु. चौ. य. वृश्च. य. नद.  
कुल. अ. गुरु. दी. य. लृष्ट. य. चौ. य. गुरु. अ. गुरु. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. वृश्च. य. नद.  
माश. य. चौ. य. गुरु. अ. चौ. य. गुरु. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. गुरु. चौ. य. वृश्च. य. नद।  
लृष्ट. अ. ॥ चौ. य. लृष्ट. य. पठस. गु. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. वृश्च. य. नद.  
माश. य. चौ. य. गुरु. अ. चौ. य. गुरु. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. वृश्च. य. नद। ॥ श्व. चौ. य.  
कुल. अ. गुरु. चौ. य. गुरु. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. वृश्च. य. नद। ॥ श्वद. लृष्ट.  
गुरु. चौ. य. गुरु. चौ. य. गुरु. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. वृश्च. य. नद। ॥ श्व. चौ. य.  
कुल. अ. गुरु. चौ. य. गुरु. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. वृश्च. य. नद। ॥ श्व. चौ. य.  
गुरु. चौ. य. गुरु. चौ. य. गुरु. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. वृश्च. य. नद। ॥ श्व. चौ. य.  
कुल. अ. गुरु. चौ. य. गुरु. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. वृश्च. य. नद। ॥ श्व. चौ. य.  
गुरु. चौ. य. गुरु. चौ. य. गुरु. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. वृश्च. य. नद। ॥ श्व. चौ. य.  
कुल. अ. गुरु. चौ. य. गुरु. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. वृश्च. य. नद। ॥ श्व. चौ. य.  
गुरु. चौ. य. गुरु. चौ. य. गुरु. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. वृश्च. य. नद। ॥ श्व. चौ. य.

५५. गुरु. नपुद. नद. कुल. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. वृश्च. य. नद.  
गुरु. य. वृश्च. य. लृष्ट. अ. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. वृश्च. य. नद। ॥ वृश्च. य. लृष्ट. अ. चौ. य. वृश्च. य.  
गुरु. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. वृश्च. य. नद। ॥ श्व. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. वृश्च. य. नद। ॥ श्व. चौ. य.  
गुरु. चौ. य. लृष्ट. अ. चौ. य. वृश्च. य. नद। ॥ श्व. चौ. य.



ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତପ୍ରକାଶନ ପରିଚୟ  
ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତପ୍ରକାଶନ ପରିଚୟ

31-81-2

(1985 25. 8. 8 ~ 31. 8.)



ସନ୍ଦର୍ଭରେ କ୍ଷେତ୍ରପାତ୍ର କେବଳ କୁଳାଙ୍ଗ ଏବଂ କିମ୍ବା କୁଳାଙ୍ଗ ପରିବାରରେ ମହିଳା ଏବଂ ମଧ୍ୟବ୍ୟକ୍ତିରେ କ୍ଷେତ୍ରପାତ୍ର ହେଉଥିଲା । ୧୯୫୧ ଶତାବ୍ଦୀରେ କୁଳାଙ୍ଗ ଏବଂ କିମ୍ବା କୁଳାଙ୍ଗ ପରିବାରରେ କ୍ଷେତ୍ରପାତ୍ର ହେଉଥିଲା । ୧୯୬୫ ଶତାବ୍ଦୀରେ କୁଳାଙ୍ଗ ଏବଂ କିମ୍ବା କୁଳାଙ୍ଗ ପରିବାରରେ କ୍ଷେତ୍ରପାତ୍ର ହେଉଥିଲା ।

